quire into irregularities in securities, and banking transactions.

DR. YELAMANCHILI SIVAJI (Andhra Pradesh) : Madam, on a point of order.

(*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN : We cannot have a discussion. What is your point of order ?

DR. YELAMANCHILI SIVAJI : Madam, the report of the Joint Committee was widely published in the media sometime back. What is the sanctity of the report when, without its being placed before Parliament, it directly goes to the press, the media, and is circulated and discussed?

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu) : Who says so ? (*Interruptions*)

DR. YELAMANCHILI SIVAJI : Let the Chair give the ruling.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Dr. Sivaji, the report o the Joint Committee which Mr. Ahluwalia is presenting is the authentic version which is allowed to be laid on the Table of the House. We do not allow reports appearing in the newspapers to be laid on the Table of the House. Shri Ahluwalia.

REPORT, MINUTES AND EVIDENCE OF THE JOINT COMMITTEE TO ENQUIRE INTO IRREGULARITIES IN SECURITIES AND BANKING TRANSACTIONS

श्री एस. एस. अहलूवालिया (बिहार) : मैं प्रतिभूति और बैंक संव्यवहार में अनियमितताओं की जांच करने वाली समिति के प्रतिवेदन, बैंटकों के कार्यवृत्त और समिति के सामने दिए गए साक्ष्य की एक प्रति (अंग्रेजी तथा हिन्दी में) सभा पटल पर रखता हूं ।

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : महोदया, महत्वपूर्ण बात यह है कि अब यह बेरोजगार हो गए हैं। कल तक केवल यही अखबारों में निकलता था। अब कम से कम यह रिपोर्ट तो आ गई।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मैंने कल माननीय मंत्री श्री सतीश शर्मा के विषय में नोटिस भेजा था। अभी मुझे मालूम नहीं है कि उनके पास गया है या नहीं गया है। मेरी मांग है कि इन दो दिनों में, हो सके तो आज ही उनको आकर अपनी स्थिति को साफ करना चाहिए। फिर हाउस एडजोर्न हो जाएगा। अत. इससे पहले उन्हें मामला क्लीअर करना चाहिए।

(व्यवधान)

कब आने वाले हैं, बताया जाए (व्यवधान)

The matter should be cleared. It is very necessary.

THE DEPUTY CHAIRMAN : I informed that we were sending a communication from the Secretariat to Mr. Satish Sharma. I informed the House that it was being informed to him. I will find out again today if he can come today and I will ask him to give a clarification today itself.

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI SIKANDER BAKHT) : Madam, he did not give any assurance as to when he is going to come to the House. He was there yesterday. This matter came up a long time back. There is a lot of evidence available. It is not only a question of what has appeared in the newspapers. They have made pertinent allegations. (*Interruptions*) I, myself, have a lot of evidence in my hand. If you permit me, I can lay it on the Table of the House. There is ample evidence. We waited the whole day yesterday. Why has he not assured the House as to when he is going to come before the House to make his position clear ? (*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh) : Madam, it is authenticated, documented, evidence.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. JAIPAL REDDY, I had a talk with the Minister. In the Lok Sabha also, there is a demand that he should appear before

the House and give his personal explanation. I said 'You please do it in the Rajya Sabha also because there is a demand'. We will find out again and let you know before the rising of the House today.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा कल आपने फरमाया था कि आप मालूम करेंगी।······ (व्यवधान) डिटेल्स मौजूद हैं यहां आप कहें तो सदन के पटल पर रख दूं?······(व्यवधान) इसका मतलब क्या हुआ? यह आखिर कब तक पर्दा डालने की कोशिश की जाएगी। यह इतने करप्शन्स हैं जिन पर यह सरकार पर्दा डालने की कोशिश करना चाहती है। सदर साहिबा यह क्या बात हुई? कल दिन भर गुजर गया वे मिनिस्टर साहब आपको बता नहीं सके कि वे राज्य सभा में कब आएंगे।

†[شری سکندر بخت : صدر صاحبہ کل آپ نے فرمایا تھا کہ آپ معلوم کرینگی . . "مداخلت" ڈٹیلس موجود ہیں یہاں آپ کہیں تو سدن کے پٹل پر رکھ دوں ؟ . . "مداخلت" . . اس کا مطلب کیا ہوا ؟ یہ آخر کب تک پردہ ڈالنے کی کوشش کی جائے گی۔ یہ اتنے کرپشنس ہیں جن پر یہ سرکار پردہ ڈالنے کی کوشش کرنا چاہتی ہے۔ صدر صاحبہ یہ کیا بات ہوئی ؟ کل دن بھر گذر گیا۔ وہ منسٹر صاحب آپ کو بتا نہیں سکے کہ وہ راجیہ سبھا میں کب آئینگے۔]

THE DEPUTY CHAIRMAN : Order please. (*Interruptions*) I will find out.

SHRI SIKANDER BAKHT : The same thing you said yesterday also. He has not assured you as to when he is going to come to the Rajya Sabha.

THE DEPUTY CHAIRMAN : What I informed in the House, I abided by it

थोड़ा सब्र से सुना कीजिए।

श्री सिकन्दर बख्त : अगर इतना टाईम लगेगा तो हम सब्र कहां तक करेंगे।

†[شری سکندر بخت : اگر اتنا ٹائم لگیگا تو ہم صبر کہاں تک کرینگے۔]

THE DEPUTY CHAIRMAN : Just a minute please, Mr. Bakht. (*Interruptions*) You can speak. If you do not want to hear my reply, all right, you can speak.

According to the rules, I informed him, I informed the House. I have also written to him. The Secretariat has written to him. The notice given by Mr. Mathur and Mr. Sukomal Sen is also being sent. As soon as we get it, I will inform you. Today, I will inform you.

SHRI SIKANDAR BAKHT : If he does not come, what does the House do?

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry) : Then the Chair has to decide. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN : Then I will take a decision. Yes, Shri Ahluwalia.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR : If any Member authenticates any paper, he should be permitted to lay it......

THE DEPUTY CHAIRMAN : I am not allowing anyone to lay anything on the Table. (*Interruptions*). I am not permitting. That is entirely up to the Chair to permit or not to permit. (*Interruptions*).

अहलुवालिया जी, अब आप बोल दीजिए (व्यवधान) I am not permitting him.

---

†Transleteration in Arabic Script.

श्री एस.एस. अहलुवालिया: महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक बहुत ही अहम मसले की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। सारे भारतवर्ष में पिछले नवंबर 1984 में जो दंगे हुए उसके कारण पंजाब के बाहर रहने वाले सिक्ख लोग पंजाब में माइग्रेट कर गए थे और वहीं रहने लगे थे। उस वक्त पंजाब सरकार से हर तरह की मदद उनको मिल रही थी पर उसके बाद जब फैसले हुए तो हरेक राज्य सरकार ने अपनी-अपनी टीम भेजी और जो लोग माइग्रेट कर गए थे, उनको वापस लाने की कोशिश की गई। कुछ लोग आए कुछ नहीं आए उनमें कुछ लोग व्यापारी थे जिनके घर लुट गए जिनकी दुकानें जल गई थीं और वे वहां जाकर व्यापार करना चाहते थे लेकिन आज वे पंजाब में माहौल ठीक न होने के कारण व्यापार नहीं कर पा रहे हैं। वे सारे के सारे लोग दिल्ली में आकर बैठे हुए हैं और दिल्ली में लगभग 200 परिवार 4 महीनों से आकर बैठे हुए हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि दिल्ली ऐडमिनिस्ट्रेशन उनकी कुछ मदद करेगा और कोई जगह उनको दिलाएगा।

महोदया, पिछले दिनों हम लोगों ने देखा कि दिल्ली के चुनाव के सिलसिले में बी.जे.पी. ने ढिंढोरा पीटा कि 1984 के दंगों से प्रभावित लोगों को पुनः बसाया जाएगा। पिछले 4 महीनों से ये लोग यहां बैठे हुए हैं। मदन लाल खुराना उनसे मिलने के लिए तैयार नहीं हैं और उनकी हालत यह है कि वे पिछले 4 महीनों से जी.टी. रोड़ के ऊपर बैठे हुए हैं और अपने बीवी-बच्चों के साथ ठंड में पड़े हुए हैं। ऐसा जाड़ा पड़ रहा है और वे सड़क पर बैठे हुए हैं। उनको पूछने वाला कोई नहीं है। किसी के पास कंबल है किसी के पास कंबल नहीं है। किसी के पास रजाई है, किसी के पास रजाई नहीं है। इन लोगों की तरफ देखने वाला कोई नहीं है।

महोदया हमारी स्थिति में किस तरह से गिरावट आ रही है। एक तरफ तो हमने युगांडा व इतिहास देखा। ईदी अमीन ने भारतियों को वहां से निकाल दिया था लेकिन अब वहां की सरकार ने उन लोगों को फिर से बसाने के लिए कानून पास किया है। उस वक्त जिन लोगों ने वहां से जगह छोड़ी थी, जमीनें बेची थीं उन लोगों को उनकी प्रापर्टी वापस दिलाने के लिए कानून पास किया गया है कि जो रजिस्ट्रेशन है, उसको कैंसिल करके उनको फिर से जमीन और दुकानें वापस दिलाई जाएं। इसी तरह वियतनाम से जो भारतवासी निकाले गये थे उनको फिर से बसाने के लिए कोशिश चल रही है।

दूसरी ओर दिल्ली में जो सिक्ख लोग यहां से पंजाब चले गए थे, जब वे वापस आकर यहां बसना चाहते हैं तो उनको दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन की तरफ से कोई मदद नहीं मिल रही है। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि ये जो परिवार वहां बैठे हुए हैं, इनका वैरिफिकेशन किया जाए और दिल्ली में जो इनकी प्रॉपर्टी छीन ली गई थी, अंडर-इनवॉयस करके उनसे खरीद ली गई थी, वह उनको वापस दिलाई जाए और उनको पुनर्स्थापित करने के लिए जवाब दी जाए। यह मेरी मांग है और इस बारे में तुरंत कार्यवाही की जाए। साथ ही उनके रहने के लिए किसी धर्मशाला में इंतजाम किया जाए। इतनी ठंड पड़ रही है और 200 परिवार बच्चों के साथ जी.टी. रोड़ के किनारे पड़े हुए हैं। उनके खाने-पीने, रहने का कोई बंदोबस्त नहीं है। इसका पूरा बंदोबस्त किया जाए और तत्काल उनको बसाने के लिए कानून पास किया जाए।

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): Madam, I wish to draw the attention of the House and the Government through you, to a serious development in regard to the Government decision for privatising the Indian Iron and Steel Co., called IISCO. This company is the oldest steel company of the country. It was nationalised in 1978 and 35,000 workers are employed in ths company. The Government neglected the company for several years. Now the company has fallen sick and the Government has decided to sell it to a private party. All the trade unions of IISCO, namely the AITUC, CITU, INTUC, HMS, UTC, have decided to oppose privatisation. Already they went on strike for one day. The steel workers throughout the country went on strike. All the steel plant workers went on strike against privatization, but the Gov-

ernment remains adament. The unions have demanded that SAIL should take the responsibility of funding the company and running the company, but SAIL is not coming up, the Government is not coming up. In this situation the Government has decided to sell it to private parties.

Madam, today, in the Lok Sabha a Bill is being introduced for the privatization of IISCO. On this day in the whole Asansol-Kulti area of Bengal, 35,000 workers in two factories of IISCO are on hunger strike and a general strike is organized, and a bandh is organized in the entire area of the State to oppose privatization. This programme will continue for two days and all the unions have decided that they will fight to the last to prevent privatizaion because privatization means death of the workers and death of the company, and the workers will not allow this to happen. I request the Government to revise its decision of selling it to private parties and to revive the company through SAIL. That is the demand of many Members of Parliament, different political parties, the West Bengal Assembly and all the trade unions, including the INTUC.

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : मैं अपने आपको इससे ऐसोसियेट करता हूं।

SHRIMATI KAMLA SINHA (Bihar) : Madam, it is a very serious matter. If the Government does not go by the decision that the workers are taking and if Government does not sanction money for the opening and modernization of IISCO, then the matter will really worsen and the workers are going to fight tooth and nail.... (*Interruptions*)..

SHRI G. SWAMINATHAN (Tamil Nadu) : Madam, SAIL has not come forward. I strongly recommend that the West Bengal Government may take it over because, instead of the company going to private parties, if the West Bengal Government takes it over, it will be better.. (*Interruptions*) The Government of West Bengal should not allow it to go to private parties. So I strongly recommend that the West Bengal Government should take it over.

श्री मोहम्मद अकबल उर्फ भीम अकबल : (उत्तर प्रदेश) : मैडम, मैं समझता हूं कि पोलिटिकल प्रेशर के बाद इस फैक्टरी को बेचने की कोशिश की जा रही है इस लिए कि जिस पार्टी को वह बेची जा रही है, उससे ज्यादा पैसों की ऑफर दूसरी पार्टियां कर चुकी हैं.....। (व्यवधान)

†[شری محمد اکبل عرف م۔ افضل (اترپردیش) : میڈم۔ میں سمجھتا ہوں کہ پولیٹیکل پریشر کے بعد اس فیکٹری کو بیچنے کی کوشش کی جارہی ہے اس لئے کہ جس پارٹی کو وہ بیچی جارہی ہے اس سے زیادہ پیسوں کی آفر دوسری پارٹیاں کر چکی ہیں۔ ''مداخلت'']

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : महोदया, मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश में निकट भविष्य में विनाशकारी भूकंप आने की संभावना है। भूकंप विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिमी निमाड़ क्षेत्र में निकट भविष्य में भूकंप की संभावना है। इस भूकंप की संभावना से ग्रसित लोग निमाड़ क्षेत्र के गांवों को छोड़कर पलायन कर गए हैं और इधर उधर शरण लिए हुए हैं। पिछले कुछ दिनों से खंडवा और खरगोन इलाकों में हल्के झटके आए हैं जो वहां के निवासियों की नींद हराम किए हुए हैं। इनको तीव्रता को व्यापकता से लिया जा रहा है। भूकम्प वैज्ञानिकों के अनुसार अगले तीन महीने के दौरान ऐसा भूकम्प आ सकता है जो महाराष्ट्र के लातूर के भूकम्प से अधिक खतरनाक हो सकता है, जिस की तीव्रता रेक्टर 6.5 स्केल पर होगी जब कि वहां पर निमाड़ क्षेत्र में मात्र 4 रेक्टर तीव्रता का जो भूकम्प है, इस क्षेत्र में

†Transliteration in Arabic Script

तबाही मचा सकता है। निमाड़ क्षेत्र में एक लंबे इतिहास के बाद से क्षेत्र में असुरक्षा की भावना व्याप्त हो गई है। भूकंप के हल्के झटके ही नहीं, लम्बे झटके उस क्षेत्र में लगातार आ रहे हैं। इस से वहां के ग्रामवासियों को घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

कई गांवों में वहां के मकानों में दरार पड़ गई है। मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि महाराष्ट्र के लातूर की पुनरावृत्ति न हो इसलिए इस गम्भीरता को दृष्टिगत रखते हुए केन्द्रीय सरकार की ओर से भूकम्प से निपटने के लिए कोई कार्य योजना और तैयार योजना प्रारम्भ करनी चाहिए जोकि वहां के पश्चिम निर्माण क्षेत्र के लोगों के बीच में असुरक्षा की भावना न हो। साथ ही इस क्षेत्र के निवासियों के लिए सामूहिक बीमा योजना केन्द्रीय सरकार की ओर से प्रारम्भ की जानी चाहिए। केन्द्रीय सरकार की एक टीम उस क्षेत्र में जानी चाहिए जहां भूकम्प के झटके आ रहे हैं। वहां के लोगों को वे इस बात के लिए दक्ष करें, प्रशिक्षित करें कि भूकम्प से निपटने के लिए उन्हें सावधानी बतौर क्या कदम उठाने चाहिए। मुझे विश्वास है आपकी ओर से निर्देशित किया जायेगा कि मानवीयता के नाते केन्द्रीय सरकार इसके लिए तैयार योजना प्रारम्भ करे।

SHRI JIBON ROY (West Bengal) : Madam, I shall take only two minutes.

THE DEPUTY CHAIRMAN : About what ?

SHRI JIBON ROY : The biggest public sector unit in India, where I was working before joining this House, is being dismantled. In this House an assurance was given by the then hon. Minister, Mr. Mohan Kumaramangalam, when the IISCO was nationalised, that it would never be denationalised. That assurance was given. Now a Bill is being introduced.

THE DEPUTY CHAIRMAN : That matter is over, Mr. Roy.

SHRI JIBON ROY : The Bill is being introduced. It is the greatest breach of trust of Parliament, of the House and of the steel workers in India. I would request you to convey a message of displeasure of this House to the other House that we do not want this biggest company to get denationalised.

श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल (गुजरात) : मैं इस सदन का ध्यान इस बात की ओर खींचना चाहता हूं कि पृथकतावादियों और आतंकवादियों ने नागालैंड में 15 जवानों को मार डाला है। इस देश में आज तक सिविलियों को, सिटिजन को मारा जाता था और अब यह नौबत आर्मी तक आ गई है। सरकार कड़े से कड़े कदम उठाकर कम से कम आर्मी की सेफ्टी के लिए कोई न कोई बन्दोबस्त करे और सरकार को इन पृथकतावादियों और आतंकवादियों से कड़े हाथों से निपटना चाहिए।

SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL : Madam,..

THE DEPUTY CHAIRMAN : What is your problem ?

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : मैं मंडल कमीशन के ताल्लुक से तवज्जो दिलाना चाहता हूं सरकार को आपके माध्यम से। सरकार ने मंडल कमीशन को नाफिज करने का फैसला अक्तूबर में लिया था। उसके बाद इसको नोटिफाई कर देना चाहिए था। जो वैलफेयर मिनिस्टरी है उससे जो काम होना चाहिए वह हो चुका है। लेकिन जो अपॉइंटमैंट होने हैं उसका सिलसिला अभी तक शुरू नहीं किया गया है। मैडम, आपको तवज्जो दिलाना चाहता हूं कि नवम्बर के अन्दर 12 बैंकों के मुलाजिमतों के इश्तहारात आये...

उपसभापति : आप किस बारे में कह रहे हैं ?

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : जो मुलाजिमतों का वायदा किया गया था कि 27 परसेंट रिजर्वेशन के लिए, उसका नोटिफिकेशन गवर्नमेंट जानबूझ कर नहीं कर रही है। मैं जानना चाहता हूं अक्तूबर में इसका एलान कर दिया गया था कि नाफिज किया जायेगा। नवम्बर में जो बैंकों के इश्तहारात आये उसमें 27 परसेंट रिजर्वेशन के इश्तहारात क्यों नहीं दिये गये ?

हमारी पार्टी के लीडर वी.पी. सिंह जी यह कह कर दिल्ली से गये थे कि वह उस वक्त तक दिल्ली में नहीं आयेंगे जब तक कि मंडल कमीशन के तहत पहला अपाएंटमेंट नहीं होगा। मैं अफसोस के साथ यह कहना चाहता हूं कि यह सरकार की कांस्पिरेसी है, एक साजिश है ताकि एक नेशनल लीडर को, देश के बड़े नेता को दिल्ली में आने से रोका जाए, पार्लियामेंट में आने से रोका जाए। यह एक साजिश के तहत अपाएंटमेंट रोकी जा रही है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि सरकार की नीयत क्या है? वह मंडल कमीशन को नाफिज कर रही है या नहीं कर रही है? यहां पर जो मिनिस्टर साहिबा बैठी हैं, जिनके हाथ में सब कुछ है, जो बातें कर रही है, मेरे ख्याल से उन तक मेरी आवाज नहीं पहुंच रही है। मैं उनसे जानना चाहता हूं कि वह यह बताएं कि मंडल कमीशन के तहत अपाएंटमेंट कब करने जा रही हैं? अक्तूबर के अंदर नोटिफिकेशन करना चाहिए था? नवम्बर के अंदर जो बैंकों के मुलाजिमतों के इश्तहारात आये हैं उसमें मंडल कमीशन के तहत 27 परसेंट रिजर्वेशन रखा जाए। यह मैं कहना चाहता हूं।

†[شری محمد افضل عرف م- افضل (اتر پردیش) : میں منڈل کمیشن کے تعلق سے توجہ دلانا چاھتا ھوں سرکار کو آپ کے مادھیم سے- سرکار نے منڈل کمیشن کو نافذ کرنے کا فیصلہ اکتوبر میں لیا تھا اس کے بعد اس کو نوٹی فائی کردینا چاھئے تھا جو ویلفئر منسٹری ھے اس سے جو کام ھونا چاھئے وہ ھوچکا ھے- لیکن جو اپائنٹمنٹ ھونے ھیں اس کا سلسلہ ابھی تک شروع نہیں کیا گیا ھے- میڈم آپ کی توجہ دلانا چاھتا ھوں کہ نومبر کے اندر ۱۲ بینکوں کے ملازمتوں کے اشتہارات آئے ۰۰

اپ سبھا پتی ۰ آپ کس بارے میں کہہ رھے ھیں-

شری محمد افضل عرف م- افضل : جو ملازمتوں کا وعدہ کیا گیا تھا کہ ۲۷ پرسینٹ رزرویشن کے لئے اس کا نوٹیفکیشن گورنمنٹ جان بوجھ کر نہیں کر رھی ھے- میں جاننا چاھتا ھوں اکتوبر میں اس کا اعلان کر دیا گیا تھا کہ نافذ کیا جائے گا- نومبر میں جو بینکوں کے اشتہارات آئے اس میں ۲۷ پرسینٹ رزرویشن کے اشتہارات کیوں نہیں دئے گئے- ھماری پارٹی کے لیڈر وی- پی- سنگھ جی یہ کہہ کر ۰۰ گئے تھے کہ وہ اس وقت تک دلی میں واپس نہیں آئیں گے جب تک کہ منڈل کمیشن کے تحت پہلا اپائنٹمنٹ نہیں ھوگا- میں افسوس کے ساتھ یہ کہنا چاھتا ھوں کہ یہ سرکار کی کانسپریسی ھے- ایک سازش ھے تاکہ ایک نیشنل لیڈر کو دیش کے بڑے نیتا کو دلی میں آنے سے روکا جائے- پارلیمنٹ میں آنے سے روکا جائے یہ ایک سازش کے تحت اپائنٹمنٹ روکی جارھی ھے- میں آپ سے کہنا چاھتا ھوں کہ سرکار کی نیت کیا ھے- وہ منڈل کمیشن کو نافذ کررہی ھے یا نہیں کررھی ھے- یہاں پر جو منسٹر صاحبہ بیٹھی ھیں جنکے ھاتھ میں سب کچھ ھے جو باتیں

†Transliteration in Arabic Script.

کررہی ھیں میرے خیال میں ان تک میری آواز نہیں پہنچ رہی ھے میں ان سے جاننا چاھتا ھوں کہ وہ یہ بتائیں کہ منڈل کمیشن کے تحت اپائنٹمنٹ کب کرنے جارھی ھیں ؟ اکتوبر کے اند نوٹیفیکیشن کرنا چاھئے تھا نومبر کے اندر جو بینکوں کے ملازمتوں کے اشتہارات آئے ھیں اس میں منڈل کمیشن کے تحت ۲۷ پرسینٹ رزرویشن رکھا جائے یہ میں کہنا چاھتا ھوں]

THE DEPUTY CHAIRMAN : I am not allowing a discussion on it any more. Please.

SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL : Madam, it is a very serious matter. I want the Government to respond.

SHRI S. JAIPAL REDDY : There is a need for the Government to respond.

SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL : Why is the Government not responding ?

SHRI S. JAIPAL REDDY : While the Government has announced that it would implement the scheme of reservations for backward classes, we would like to know what exactly are the steps the Government has taken and how the Government is going to expedite the process. We have the Minister of State for Personnel here. She must be able to answer the question.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Yes, Mr. Saurin Bhattacharya.

SHRI S. JAIPAL REDDY : Why has the Minister chosen to be a silent spectator ? (*Interruptions*)

SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL : She has to answer. The Government must come out.

उपसभापति : अफजल जी, आप बैठिए ।

SHRI S. JAIPAL REDDY : Madam, the proof of their sincerity lies in its implementation.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Allow him to speak. Mr. Saurin Bhattacharya.

SHRI S. JAIPAL REDDY : It is a very important matter. Madam, the Supreme Court has upheld the Order.... (*Interruptions*)

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu) : Madam, their silence clearly shows that they do not have interest for that community. They are only giving lip-service.

SHRI S. JAIPAL REDDY : Madam, why is the Minister a silent spectator ?

THE DEPUTY CHAIRAN : Please sit down. Mr. Afzal, you just get up and speak anything which comes to your mind and then you expect the Chair to ask the Government to react immediately. This is not the procedure. I should follow the exact procedure. If you want any inquiry from the Government, give proper notice. I would see that the Government is given that notice. (*Interruptions*) No. I would not allow. I am not allowing.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI : Madam, this relates to the policy.

मौलाना अबदुल्ला खान आजमी : (उत्तर प्रदेश) : सरकार का मंडल कमीशन को नाफिज करने का मतलब क्या था ? गवर्नमेंट इस बारे में क्या कर रही है, यह बताए ।

†[مولانا عبیداللہ خاں اعظمی (اتر پردیش) : سرکار کا منڈل کمیشن کو نافذ کرنے کا مطلب کیا تھا گورنمنٹ اس بارے میں کیا کر رہی ہے۔ یہ بتائیں۔]

श्रीमती कमला सिन्हा : आप बतायें कि इस बारे में क्या करने जा रहे हैं ? मंत्री जी ने सदन में घोषणा की है, सरकार ने घोषणा की है ... (व्यवधान)

SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL : Why are they not responding ?

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Afzal, please sit down. You did not give notice.

SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL : I agree with you that I have not given notice. So many times when Members raise an issue the Government reacts.

THE DEPUTY CHAIRMAN : The Government is not reacting. Give a proper notice. Then we will see what to do.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : महोदया, यह बहुत आवश्यक है । सुप्रीम कोर्ट का जजमेंट इस बारे में आ चुका है । सरकार को इसको लागू करना चाहिए । हमारी पार्टी इसकी मांग कर रही है कि इसको लागू किया जाए ।

THE DEPUTY CHAIRMAN : Shri Saurin Bhattacharya. No more disturbance. Order, please.

SPECIAL MENTIONS

PRIVATISATION OF METEOROLOGICAL SERVICE

PROF. SAURIN BHATTACHARYA (West Bengal) : A news item came to be published in a paper named *Aj Kal*, which records news of today and forecasts of what may happen tomorrow. There it has been said that a plan has been hatched to hand over the Meteorological Department of the country to a private agency. The principal Meteorological Centre is going to be handed over to a private agency for commercial purposes. Now, various organisations are being supplied meteorological data free of cost. The idea of privatisation is to commercialise this information. The detailed reasons for this are not forthcoming, but perhaps the... (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN : Please do not disturb when the Member is...

SHRI G. SWAMINATHAN (Tamil Nadu) : Madam, I want to point out that the Minister is conveying a private information regarding Mandal to a Member. We wanted her to announce it here in the Chamber. She is conveying the information to him privately. We want a public announcement.

श्री मोहम्मद खलीलु रहमान (आन्ध्र प्रदेश) : मिनिस्टर साहिबा मेम्बरों को कुछ बता रही हैं । उन्हें जो बात कहनी है वह हाउस में कहें ... (व्यवधान) ।

†[شری محمد خلیل الرحمن (آندھرا پردیش) : منسٹر صاحبہ ممبروں کو کچھ بتا رہی ہیں۔ انہیں جو بات کہنی ہے وہ ہاؤس میں کہیں ... "مداخلت" ...]

THE DEPUTY CHAIRMAN : It is not proper. When a Member is speaking you just get up and disturb. Khalilur Rahman Sahib, what he is talking, I do not know. It is very very impolite on your part. All of you get up and do not listen to the Member who has been identified by the Chair.

Whatever you want to ask the Minister, you can ask after Prof. Bhattacharya completes his special mention. So

†Transliteration in Arabic Script.

†Transliteration in Arabic Script.